निस्केयर
NISCAIR

जनवरी 2015

सम्पादक
प्रदीप शर्मा

सह सम्पादक
डा. बालक राम

प्रोडक्शन अधिकारी
सुप्रिया गुप्ता
एस. पी. सिंह

कला अधिकारी
नीरू विजन
योगेश कुमार आनंद

कम्पोजिंग
मीरा देवी

वरिष्ठ बिक्री एवं विज्ञापन अधिकारी
परवेज़ अली खान

वरिष्ठ बिक्री एवं वितरण अधिकारी
लोकेश कुमार चोपड़ा

जनवरी 2015
विज्ञान प्रगति

कर्मठ रोनाल्ड रॉस

उस समय अंग्रेजी सेना में एक जनरल सर सी सी जी रॉस के बेटे रोनाल्ड रॉस का जन्म 13 मई 1857 को अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड (भारत) में हुआ। रोनाल्ड रॉस ने सन् 1875 में सेंट बार्थोलोम्यू हॉस्पिटल, लंदन से चिकित्सा के क्षेत्र में अध्ययन प्रारंभ किया तथा सन् 1881 में भारतीय चिकित्सा सेवा में शामिल हो गये। सन् 1892 में डॉ. रॉस ने मलेरिया पर अध्ययन प्रारंभ किया। सन् 1894 में रॉस ने लावेरन और मैनसन की परिकल्पना (मच्छर रोग के प्रसार से संलग्न) पर भारत में एक प्रायोगिक जांच करने का मन बनाया। ढाई साल की विफलता के बाद रॉस मच्छरों में मलेरिया परजीवी के जीवन-चक्र का प्रदर्शन करने में सफल रहे। रॉस ने सन् 1899 में सर अल्फ्रेड जोन्स के निर्देशन में लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन में कार्य प्रारंभ किया। इस क्षेत्र में अध्ययन को जारी रखने के लिए इन्हें तुरंत ही दक्षिणी अफ्रीका भेज दिया गया, जहाँ इन्होंने घातक बुखार फैलाने वाली मच्छर की प्रजातियों का पता लगाया।

सन् 1901 में रॉस रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ इंग्लैण्ड तथा एक रॉयल सोसायटी के फैलो चुने गये जिसके वे सन् 1911 से 1913 तक उपाध्यक्ष रहे। सन् 1902 में डॉ. रॉस ग्रेट ब्रिटेन के महामहिम राजा के सहयोगी नियुक्त किये गए। बेल्जियम में इन्हें लियोपोल्ड द्वितीय के क्रम में एक अधिकारी बनाया गया।

सन् 1902 में लिवरपूल में रॉस प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किये गए और सन् 1912 तक इस पद पर कार्यरत रहे। जब रॉस लिवरपूल छोड़ा और किंग्स कॉलेज हॉस्पिटल, लंदन में लाक्षणिक रोगों के चिकित्सक बने तब वे लिवरपूल में लाक्षणिक स्वच्छता के अध्यक्ष पद पर भी आसीन थे। डॉ. रॉस इन पदों पर सन् 1917 तक रहे फिर उन्हें युद्ध कार्यालय ;त वींपिबमद्ध में मलेरिया अध्ययन में सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। सन् 1918 में मलेरिया पर किये गये उनके अध्ययन तथा उनकी कार्य क्षमता के आधार पर उन्हें नाइट कमांडर के पद पर पदोन्नति मिली। बाद में इन्हें पेंशन मंत्रालय में मलेरिया सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया।

सन् 1926 में डॉ. रॉस ने इंस्टीट्यूट एण्ड हॉस्पिटल ऑफ ट्रॉपिकल डिज़ीज एण्ड हाइजीन में निदेशक के पद पर कार्य ग्रहण किया। अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक वे इसी पद पर बने रहे। वे ट्रॉपिकल मेडिसिन सोसायटी के अध्यक्ष भी थे।

इस सक्रिय कार्यकाल के दौरान, रॉस की मुख्य रुचि विभिन्न देशों में मलेरिया की रोकथाम करने में थी। उन्होंने कई स्थानों, जैसे दक्षिण अफ्रीका, सुएज़ कैनाल ज़ोन, ग्रीस, मॉरीशस, साइप्रस सहित सन् 1914-1918 के युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों में कई सर्वेक्षण और योजनाओं को चलाया। उन्होंने मलेरिया महामारी विज्ञान और इसके सर्वेक्षण और मूल्यांकन के तरीकों के लिए अनेक योगदान दिये। लेकिन शायद उनका सबसे बड़ा योगदान महामारी विज्ञान के अध्ययन के लिए गणितीय मॉडल का विकास था जिसकी शुरुआत उन्होंने सन् 1908 में मॉरीशस में अपनी रिपोर्ट में की। सन् 1911 में मलेरिया की रोकथाम में सविस्तार से और आगे सन् 1915 और 1916 में रॉयल सोसायटी द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिक शोध पत्रों में सामान्यीकृत रूप में प्रकाशित हुआ। ये वैज्ञानिक पत्र केवल महामारी विज्ञान के लिए ही सीमित नहीं थे बल्कि उन्हें शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित दोनों के लिए योगदान करने के लिए निर्देशित किया था।

इन कार्यों के माध्यम से रॉस ने अपने योगदान को मच्छर से मलेरिया संचरण की खोज के रूप में जारी रखा। साथ ही उन्होंने एक कवि, नाटककार, लेखक तथा चित्रकार होने के नाते कई अन्य गतिविधियों के लिए भी अपना योगदान दिया। विशेष रूप से अपनी काव्यात्मक प्रतिभा से उन्होंने व्यापक अभिनंदन प्राप्त किया।

सर रोनाल्ड रॉस को नोबल पुरस्कार के अलावा कई अन्य सम्मान भी प्राप्त हुए तथा यूरोप के अधिकांश देशों और अन्य कई महाद्वीपों द्वारा सम्मानित मानद सदस्यता प्रदान की गयी। उन्होंने सन् 1910 में कैरोलीन संस्थान के शताब्दी समारोह में मानक एमडी की डिग्री प्राप्त की। अपने व्यक्तित्व और प्रतिभा के कारण ही यूरोप, एशिया और अमरीका में उनके दोस्तों का एक विशाल समूह था जो कि उनके व्यक्तित्व और बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित था।

मूल्य
एक अंक : 30.00 रुपये
एक वर्षः 300.00 रुपये
दो वर्ष : 570.00 रुपये
तीन वर्ष : 810.00 रुपये
विदेशी वार्षिक सदस्यता : 65$
शिकायतः 25841647
ई-मेल : lkc@niscair.res.in

सम्पादकीय : 25846301, 04.07/370; 25841769
प्रोडक्शन : 25847353, 25846301, 04.07/217, 337
विज्ञापन : 25843359ए बिक्री : 25841647,25846301, 04.07/335, 295 फैक्स : 25847062
ई-मेल : vp@niscair.res.in
वेब साइट : http://www.niscair.res.in

© राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान

लेखकों के कथनों और मतों के लिये सी. एस. आई. आर. - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 उत्तरदायी नहीं है।

पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटाये जायेंगे।